४. वादन

गीत के अभंग, भक्तिगीत, शौर्यगान (पोवाड़ा), आरती, भावगीत तथा भजन जैसे अनेक प्रकार हैं। ये सारे गीत उनकी अपनी-अपनी धुन और लय-ताल में गाए जाते हैं । इसके लिए गायन में सुर, काव्य, शब्द आदि का समावेश होता है तो वादन में सुरों को स्थान होता है । वाद्य से निकलने वाला नाद ही सुर कहलाता है ।

सुर वाद्यों पर सा, रे, ग, म, प, ध, नि, सां स्वर बजाए जाते हैं तो तबले पर धा, धिं, धीं, धा अथवा ता, तिनन, त्रक, तुन के बोल बजाए जाते हैं ।

गायन में साथ-संगति में हारमोनियम, तबला, मृदंग, मँजीरा (करताल), घुँघरू, टिपरी, झाँझ आदि वाद्यों का भी उपयोग किया जाता है । कभी-कभी तंबूरा, इकतारा, वीणा आदि वाद्य यंत्रों का समावेश किया जाता है।

तबला : तबला और ठेका, इन दोनों को मिलाकर तबला कहा जाता है । तबला पेड़ के तने से बनाया जाता है तो ठेका धातु से बनाया जाता है। ठेका की तुलना में तबला आकार में छोटा होता है । एक हाथ से तबला तो दूसरे हाथ से ठेका बजाया जाता है ।

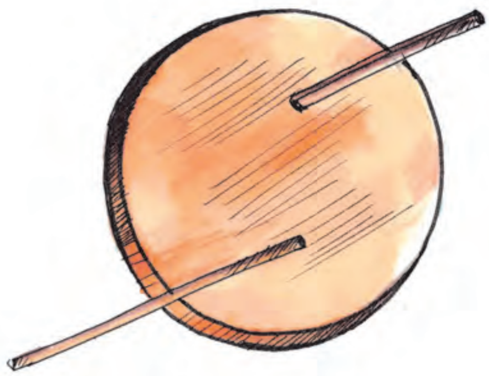

डफ : इसका उपयोग प्रमुखत: लोकसंगीत के अवसर पर किया जाता है । लकड़ी अथवा धातु से बनी चक्राकार पट्टी पर चमड़ा तानकर-खींचकर बिठाया जाता है । डफ को एक हाथ से पकड़कर दूसरे हाथ से बजाया जाता है।

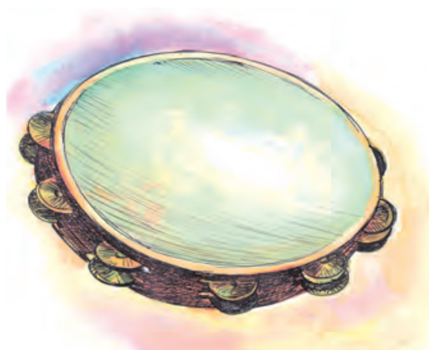

खँजरी : यह डफ की तरह दीखने वाला एक ताल वाद्य है। काठ या धातु की गोलाकार पट्टी पर निश्चित दूरी पर धातु की चकतियाँ बिठाई जाती हैं । इनको एक-दूसरे पर आघात करने से नाद निर्माण होता है । गाते समय ताल देने तथा रंजकता निर्माण करने हेतु खँजरी का उपयोग किया जाता है । इसे एक हाथ से सँभालते हुए दूसरे हाथ से बजाया जाता है ।

मृदंग :

मृदंग के दोनों ओर चमड़ा मढ़ा होता है । इसका उपयोग प्रमुखत: भजन, कीर्तन में किया जाता है । यह वाद्‌य दोनों हाथों से बजाया जाता है । कभी-कभी तबला के स्थान पर इसका उपयोग करने की पद्‌धति प्रचलित है ।

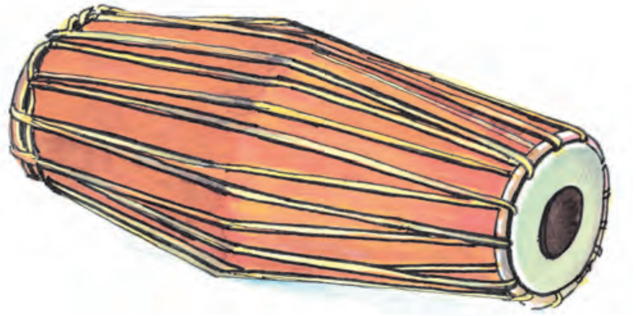

उपर्युक्त सभी वाद्‌य अवनद्‌ध वाद्‌य हैं । इनके अतिरिक्त ढोल, डफली, नगाड़ा, ताशा, डमरू आदि भी अवनद्‌ध वाद्‌य हैं । ये सारे वाद्‌य बजाने हेतु चमड़े पर आघात करना पड़ता है । इससे ताल की निर्मिति होती है तथा गीत सुरीला बन जाता है ।

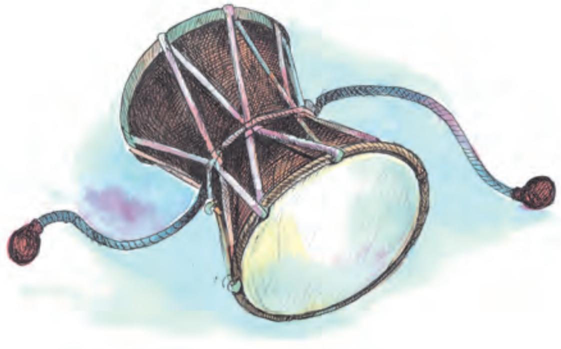

मेरी कृति :

- विविध माध्यमों द्‌वारा प्राप्त ताल वाद्‌यों के चित्र संग्रहीत करो तथा चिपक कॉपी में चिपकाओ। (जैसे. मासिक पत्रिकाएँ, समाचारपत्र, विज्ञापन आदि ।)
- चित्र में दर्शाए वाद्‌य पहचानो ।

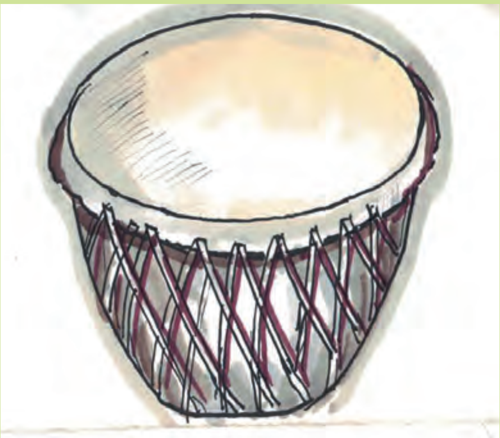

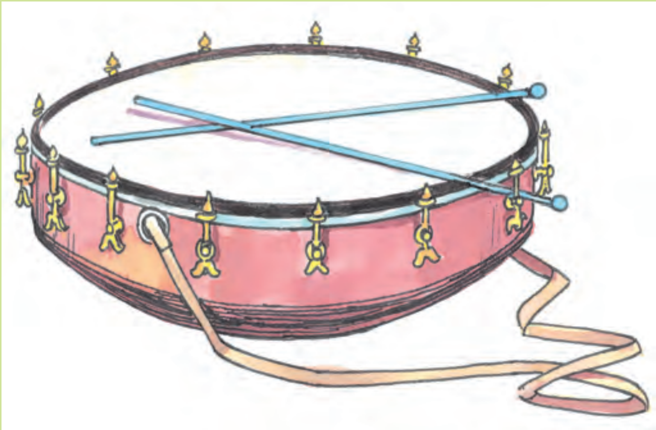

- हमारे आस-पास में जिन वाद्‌यों को उपयोग में लाया जाता है; उन वाद्‌यों का विद्‌यार्थियों से परिचय करा दें । संभव हो तो विद्‌यार्थियों को कोई संगीत समारोह में ले जाने का आयोजन करें ।